चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 28.5.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-6

कार्यशाला में वैज्ञानिकों ने किसानों को बताईं कृषि उत्पाद विदेशों में भेजने की बारीकियां

एचएयू में प्रोड्यूस सेफ्टी एलांन्स ग्रौवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल पर एशिया की पहली कार्यशाला

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रोड्यूस सेफ्टी एलान्स ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के एजी सेंटर के सहयोग से आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों के कृषि उत्पाद दूसरे देशों में भेजने की बारिकियां सीखाना था। कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए किसानों को अपने कृषि उत्पादों को विदेशों में भेजने संबंधित जानकारियां दी गई। वैज्ञानिकों ने कहा कि बाजार की सही समझ न होने से किसान अपने उत्पाद का सही बाजार मूल्य प्राप्त करने में असमर्थ है। उत्पादकता में हम आत्मनिर्भर हो गए हैं, पर किसान को सही कीमत न मिलना एक बड़ी समस्या है।

एचएयू की लैब बताएगी आपके उत्पाद में रसायन कितना फीसद : कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है, जिसमें किसानों को अपने उत्पाद की पैकेजिंग, भंडारण, परीक्षण, विश्लेषण की प्रक्रिया, आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी जाएगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की केमिकल टेस्टिंग लैब उपलब्ध है जो किसानों के उत्पाद में रसायने की प्रतिशत उपलब्धता को बता सकती है। जिससे किसान अपने उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिना रोक-टोक के बेच सकता है।

एचएयू में आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. केपी सिंह अतिथि को स्मृति चिह्न देते हुए।

फल-सब्जियां खराब होने से पहले उपभोक्ता तक पहुंचना जरूरी

अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, डा. अच्युत अधिकारी ने बताया कि यह कार्यशाला प्रोड्यूस सेफटी एलांन्स ग्रौवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिस विषय पर आयोजित की गई एशिया में पहली कार्यशाला है। उन्होंने बताया कि ताजे फल व सब्जियों को खराब होने से पहले उचित मुल्य पर उपभोक्ता के पास पहुंचना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, कुलपति के विशेष सलाहकार, डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

देशभर के कृषि वैज्ञानिक ज्वार के गुणवत्ताशील उत्पादन पर करेंगे मंथन

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 28 मई को तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वित परियोजना (ज्वार) पर संगोष्ठी की जाएगी। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च हैदराबाद के सहयोग से की जा रही है। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. आइएस पंवार ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के एडीजी डा. दिनेश कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत और परियोजना समन्ववक एवं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डा. विलास ए. तोपनी भी उपस्थित होंगे। इस बैठक में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 200 वैज्ञानिक भाग लेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 28.5.2017 पृष्ठ सं. ..... 3 ..... कॉलम ..... 3-6 .....

विदेशों में कृषि उत्पाद बेचकर किसान कमा सकते हैं अच्छा मुनाफा : केपी सिंह

एचएयू में 'प्रोड्यूस सेफ्टी एलांन्स ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसेस' विषय पर कार्यशाला आयोजित

एचएयू में आयोज़ित कार्यशाला में किसानों को संबोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

एचएयू में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित किसान व अधिकारी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'प्रोड्यूस सेफ्टी एलांन्स ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसेस' विषय पर सोमवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के एजी सेंटर के सहयोग से आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पाद दूसरे देशों में भेजने की बारीकियां सिखाना व प्रोत्साहित करना था। इस कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उत्पादकता में हम आत्मनिर्भर हो गए हैं, पर किसान को सही कीमत न मिलना बड़ी समस्या है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के नियमों को समझकर अपने उत्पाद को दूसरे देशों में भेजकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है, जिसमें किसानों को अपने उत्पाद की पैकेजिंग, भंडारण, परीक्षण, विश्लेषण की प्रक्रिया, आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी जाएगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की केमिकल टेस्टिंग लैब उपलब्ध है, जो किसानों के उत्पाद में रसायन की प्रतिशत उपलब्धता को बता सकती है। इससे किसान अपने उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिना रोक-टोक के बेच सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजार की प्रक्रिया पर समग्र सिफारिशें विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। कुलपति ने कहा कि हरियाणा के किसान बहुत मेहनती व जागरूक है। उन्होंने वैज्ञानिक सलाह व तकनीकी सहायता से अपने उत्पाद को बढ़ाने में सफलता हासिल की है, लेकिन बाजार की सही समझ न होने से अपने उत्पाद का सही बाजार मूल्य प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

एशिया की पहली कार्यशाला

अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, डॉ. अच्युत अधिकारी ने बताया कि यह कार्यशाला प्रोड्यूस सेफ्टी एलांस ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसेस विषय पर आयोजित की गई एशिया में पहली कार्यशाला है। उन्होंने बताया कि ताजे फल व सब्जियों को खराब होने से पहले उचित मूल्य पर उपभोक्ता के पास पहुंचना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, कुलपति के विशेष सलाहकार, डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 28.5.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-5

कार्यक्रम • एचएयू में ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

बैक्टीरिया मुक्त फल-सब्जियों की पैदावार और मार्केटिंग के किसानों ने सीखे गुर, लुसियाना स्टेट विवि के सहयोग से एशिया की पहली वर्कशॉप

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रोडयूस सेफ्टी एलांन्स की कार्यशाला को संबोधित करते लुसियाना स्टेट विवि से असिस्टेंट प्रो. अच्युत अधिकारी।

अमेरिका में 20 से 25 वर्ष पहले फल और सब्जियों में कुछ बैक्टीरिया ने बहुत से लोगों को बीमार किया था, इसके बाद से अमेरिका ने बैक्टीरिया युक्त सब्जियों व फलों को लेना पूरी तरह से बंद कर दिया। भारत से भी कई प्रकार के फल व सब्जियां अमेरिका पहुंचती हैं, ऐसे अमेरिका प्रोड्यूस सेफ्टी अलाइंस के जरिए भारत में किसानों को ट्रेनिंग देकर उनकी एग्रीकल्चर प्रैक्टिस को बदल रहा है। इन किसानों को बताया जा रहा है कि उनके पास बैक्टीरिया फ्री जैसे सर्टिफिकेट होंगे तभी वह प्रोडक्ट निर्यात कर सकेंगे। इसको लेकर एचएयू में ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। यह ट्रेनिंग अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के एजी सेंटर के सहयोग से आयोजित की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पाद दूसरे देशों में भेजने की बारीकियां सिखाना व प्रोत्साहित करना था। इस कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि रहे।

किसान एचएयू की इन सुविधाओं का ले सकते हैं लाभ

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है जिसमें किसानों को अपने उत्पाद की पैकेजिंग, भंडारण, परिक्षण, विश्लेषण की प्रक्रिया, आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी जाएगी। एचएयू में अंतरराष्ट्रीय स्तर की केमिकल टेस्टिंग लैब उपलब्ध है जो किसानों के उत्पाद में रसायन की प्रतिशत उपलब्धता को बता सकती है। इससे किसान अपने उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिना रोक टोक के बेच सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजार की प्रक्रिया पर समग्र सिफारिशे विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया।

अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, डॉ. अच्युत अधिकारी ने बताया कि यह कार्यशाला प्रोड्यूस सेफ्टी एलांयस ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेस विषय पर आयोजित की गई एशिया में पहली कार्यशाला है। उन्होंने बताया कि ताजे फल व सब्जियों को खराब होने से पहले उचित मूल्य पर उपभोक्ता के पास पहुंचना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, कुलपति के विशेष सलाहकार, डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भूमि .....
दिनांक 28.5.2017 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-8

कार्यशाला में किसानों को सिखाई उत्पादों को अमेरिका भेजने की बारीकियां

हरियाणा का किसान बहुत मेहनती व जागरूक : वीसी

- हकृवि में प्रोडयूस सेफ्टी एलांन्स ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुट एग्रीकल्चर प्रेक्टिस पर वर्कशॉप आयोजित
- ताजे फल व सब्जियों को खराब होने से पहले उचित मूल्य पर उपभोक्ता के पास पहुंचना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हकृवि में प्रोडयुस सेफ्टी एलांन्स ग्रौवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसस विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के एजी सेंटर के सहयोग से आयोजित की गई है। इसका मुख्य उदेश्य किसानों को कृषि उत्पाद दूसरे देशों में भेजने की बारिकियां सीखाना व प्रोत्साहित करना था। इस कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। प्रो. सिंह ने कहा कि हकृवि में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है जिसमें किसानों को अपने उत्पाद की पैकेजिंग, भंडारण, परिक्षण, विश्लेषण की प्रक्रिया, आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी जाएगी। हकृवि में अंतरराष्ट्रीयस्तर की केमिकल टेस्टिंग लैब उपलब्ध है जो किसानों के उत्पाद में रासायन की प्रतिशत उपलब्धता को बता सकती है। जिससे किसान अपने उत्पाद को अंतरराष्ट्रीयस्तर पर बिना रोक टोक के बेच सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजार की प्रक्रिया पर समग्र सिफारिशे विकसित करने की ज़रूरत पर जोर दिया।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा के किसान बहुत मेहनती व जागरूक है। उन्होंने वैज्ञानिक सलाह व तकनीकी सहायता से अपने उत्पाद को बढ़ाने में सफलता हासिल की है। लेकिन बाजार की सही समझ न होने से अपने उत्पाद का सही बाजार मुल्य प्राप्त करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि उत्पादकता में हम आत्मनिर्भर हो गए है पर किसान को सही कीमत नहीं मिलना बड़ी समस्या है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के नियमों को समझकर अपने उत्पाद को दूसरे देशों में भेजकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, डॉ. अयुत अधिकारी ने बताया कि यह कार्यशाला प्रोडूस सेफटी एलांन्स ग्रौवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेकटिसिस विषय पर आयोजित एशिया में पहली कार्यशाला है।

उन्होंने बताया कि ताजे फल व सब्जियों को खराब होने से पहले उचित मुल्य पर उपभोक्ता के पास पहुंचना आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी........

दिनांक 28.5.2019 पृष्ठ सं. 4......... कॉलम 6-7.........

कृषि उत्पाद को लेकर हकृवि में हुई कार्यशाला

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

हिसार, 27 मई (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रोड्यूस सेफ्टी एलांस ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिस विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अमरीका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के ए.जी. सैंटर के सहयोग से आयोजित की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पाद दूसरे देशों में भेजने की बारीकियां सिखाना व प्रोत्साहित करना था। इस कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे। इस अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, कुलपति के विशेष सलाहकार, डीन, डायरैक्टर, विभागाध्यक्ष व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........

दिनांक 27.5.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....2-5....

कृषि उत्पाद तो बढ़ा लेकिन अभी किसानों को उपज की सही कीमत नहीं मिलना समस्या है: कुलपति

हिसार/ 27 मई/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रोड्यूस सेफ्टी एलान्स ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसस विषय पर अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के एजी सैंटर के सहयोग से कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें कुलपति प्रो. केपी. सिंह मुख्य अतिथि थे। प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर की स्थापना की गई है जिसमें किसानों को अपने उत्पाद की पैकेजिंग, भंडारण, परिक्षण, विश्लेषण की प्रक्रिया, आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी जाएगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की केमिकल टेस्टिंग लैब उपलब्ध है जो किसानों के उत्पाद में रासायन की प्रतिशत उपलब्धता को बता सकती है। जिससे किसान अपने उत्पाद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बिना रोक टोक के बेच सकता है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बाजार की प्रक्रिया पर समग्र सिफारिशें विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। कुलपति ने कहा कि हरियाणा के किसान बहुत मेहनती व जागरूक है। उन्होंने वैज्ञानिक सलाह व तकनीकी सहायता से अपने उत्पाद को बढ़ाने में सफलता हासिल की है। लेकिन बाजार की सही समझ न होने से अपने उत्पाद का सही बाजार मुल्य प्राप्त करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि उत्पादकता में हम आत्मनिर्भर हो गए हैं पर किसान को सही कीमत न मिलना एक बड़ी समस्या है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार के नियमों को समझकर अपने उत्पाद

को दूसरे देशों में भेजकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, डॉ. अच्युत अधिकारी ने बताया कि ताजे फल व सब्जियों को खराब होने से पहले उचित मुल्य पर उपभोक्ता के पास पहुंचना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, कुलपति के विशेष सलाहकार, डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष व अन्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नित्य शक्ति टाइम्स......

दिनांक 27.5.2019 पृष्ठ सं. ....8...... कॉलम 1-5.........

अंतराष्ट्रीय बाजार की प्रक्रिया पर समग्र सिफारिशें विकसित करने की जरूरत : केपी सिंह

हिसार, 27 मई (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रोड्युस सेफटी एलांन्स ग्रौवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसस विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के एजी सैंटर के सहयोग से आयोजित की

प्रोड्युस सेफटी एलांन्स ग्रोवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसस विषय पर कार्यशाला का आयोजन

गई है। इसका मुख्य उदेश्य किसानों को कृषि उत्पाद दूसरे देशों में भेजने की बारिकियां सीखाना व प्रोत्साहित करना था। इस कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे।

प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर की स्थापना की गई है जिसमें किसानों को अपने उत्पाद की पैकेजिंग, भंडारण, परिक्षण, विश्लेपण की प्रक्रिया, आयात-निर्यात के बारे में जानकारी दी जाएगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतराष्ट्रीय स्तर की केमिकल टेस्टिंग लैब उपल्ब्ध है जो किसानों के उत्पाद में रासायन की प्रतिशत उपलब्धता को बता सकती है। जिससे किसान अपने उत्पाद को अंतराष्ट्रीय स्तर पर बिना रोक टोक के बेच सकता है। उन्होंने अंतराष्ट्रीय बाजार की प्रक्रिया पर समग्र सिफारिशे विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा के किसान बहुत मेहनती व जागरूक है। उन्होंने वैज्ञानिक सलाह व तकनीकी सहायता से अपने उत्पाद को बढ़ाने में सफलता हासिल की है। लेकिन बाजार की सही समझ न होने से अपने उत्पाद का सही बाजार मुल्य प्राप्त करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि उत्पादकता में हम आत्मनिर्भर हो गए है पर किसान को सही कीमत न मिलना एक बड़ी समस्या है।

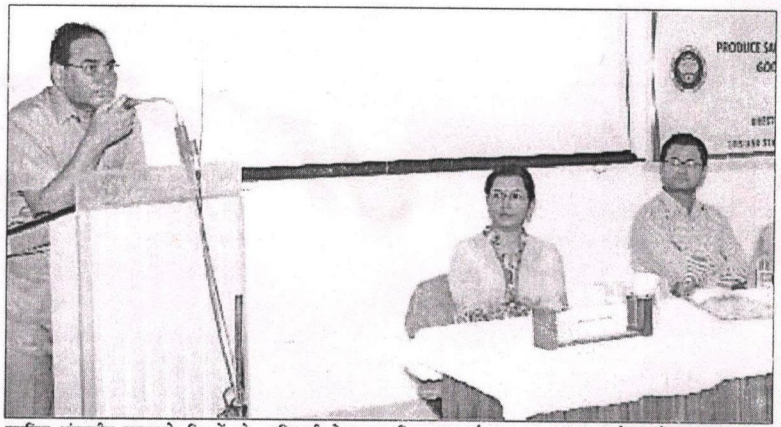

इसलिए अंतराष्ट्रीय बाजार के नियमों को समझकर अपने उत्पाद को दूसरे देशों में भेजकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

अमेरिका के लुसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, डॉ. अच्युत अधिकारी ने बताया कि यह कार्यशाला प्रोड्रूस सेफटी एलांन्स ग्रौवर ट्रेनिंग एंड गुड एग्रीकल्चरल प्रेकटिसिस विषय पर आयोजित की गई एशिया में पहली कार्यशाला है। उन्होंने बताया कि ताजे फल व सब्जियों को खराब होने से पहले उचित मुल्य पर उपभोक्ता के पास पहुंचना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, कुलपति के विशेष सलाहकार, डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 28.5.2019 पृष्ठ सं. ..... 6 ..... कॉलम ..... 7-8 .....

ज्वार की 49वीं वार्षिक समूह की बैठक आज

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 28 मई को तीन दिवसीय अखिल भारतीय समान्वित परियोजना (ज्वार) की 49वीं समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित की जाएगी।

यह जानकारी देते हुए आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगे, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एडीजी (खाद्य एवं चारा फसलें) डॉ. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत और परियोजना समन्वयक एवं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. तोपनी भी उपस्थित होंगे। बैठक में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 200 वैज्ञानिक भाग लेंगे। और ज्वार फसल के विभिन्न पहलुओं जैसे हरा चारे का उत्पादन, गुणवत्ताशील बीज उत्पादन आदि पर अनुसंधान के लिए कार्य योजना तैयार करेंगे। बैठक में ज्वार पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के साथ ज्वार की उन्नत किस्मों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 28.5.2019 पृष्ठ सं. ...14..... कॉलम ...1.....

हकृवि में 49वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन

हिसार। हकृवि में 28 मई को तीन दिवसीय अखिल भारतीय समान्वित परियोजना की 49वीं समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आईएस पंवार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के एडीजी खाद्य एवं चारा फसलें डॉ. दिनेश कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत तथा परियोजना समन्वयक एवं इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. तोपनी भी उपस्थित होंगे। इस बैठक में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 200 वैज्ञानिक भाग लेंगे और वार फसल के विभिन्न पहलुओं जैसे हरा चारे का उत्पादन, गुणवत्ताशील बीज उत्पादन आदि पर अनुसंधान के लिए कार्य योजना तैयार करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी

दिनांक 28.5.2019 पृष्ठ सं. 3, 4 कॉलम 8, 3

एचएयू में ज्वार की 49वीं वार्षिक समूह बैठक आज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 28 मई को तीन दिवसीय अखिल भारतीय समान्वित परियोजना (ज्वार) की 49वीं समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर एचएयू के कुलपति प्रो. के.पी सिंह मुख्य अतिथि होंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के एडीजी (खाद्य एवं चारा फसलें) डॉ. दिनेश कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत तथा परियोजना समन्वयक एवं इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. तोपनी भी उपस्थित होंगे।

हकृवि में ज्वार समूह की बैठक आज से

हिसार, 27 मई (ब्यूरो): चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 28 मई को 3 दिवसीय अखिल भारतीय समन्वित परियोजना (ज्वार) की 49वीं समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ए.डी.जी. (खाद्य एवं चारा फसलें) डा. दिनेश कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। इस बैठक में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 200 वैज्ञानिक भाग लेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नभ-छोर......
दिनांक 27.5.2019 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...3-4...

हकृवि में ज्वार की वार्षिक समूह बैठक कल से

हिसार/27 मई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कल से तीन दिवसीय अखिल भारतीय समान्वित परियोजना (ज्वार) की समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित की जा रही है। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के एडीजी (खाद्य एवं चारा फसलें) डॉ. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि होंगे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत तथा परियोजना समन्वयक एवं इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास तोपनी उपस्थित होंगे। बैठक में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 200 वैज्ञानिक भाग लेंगे और ज्वार फसल के विभिन्न पहलुओं जैसे हरा चारे का उत्पादन, गुणवत्ताशील बीज उत्पादन आदि पर अनुसंधान के लिए कार्य योजना तैयार करेंगे। बैठक में ज्वार पर उत्कृष्ठ अनुसंधानों के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के साथ ज्वार की उन्नत किस्मों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......पाठक पक्ष......
दिनांक ..27.5.2019.. पृष्ठ सं. ...4... कॉलम ...1-2...

हकृवि में ज्वार की 49वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन

हिसार, 27 मई (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 28 मई को तीन दिवसीय अखिल भारतीय समान्वित परियोजना (ज्वार) की 49वीं समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित की जा रही है। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आई.एस. पंवार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के एडीजी (खाद्य एवं चारा फसलें) डॉ. दिनेश कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत तथा परियोजना समन्वयक एवं इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. तोपनी भी उपस्थित होंगे। इस बैठक में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 200 वैज्ञानिक भाग लेंगे और ज्वार फसल के विभिन्न पहलुओं जैसे हरा चारे का उत्पादन, गुणवत्ताशील बीज उत्पादन आदि पर अनुसंधान के लिए कार्य योजना तैयार करेंगे। बैठक में ज्वार पर उत्कृष्ठ अनुसंधानों के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के साथ ज्वार की उन्नत किस्मों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 27.5.2019 पृष्ठ सं. ....3..... कॉलम .....8.....

हकृवि में ज्वार की 49वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 28 मई को तीन दिवसीय अखिल भारतीय समान्वित परियोजना (ज्वार) की 49वीं समूह बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित की जा रही है। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आई.एस. पंवार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के एडीजी (खाद्य एवं चारा फसलें) डॉ. दिनेश कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत तथा परियोजना समन्वयक एवं इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. तोपनी भी उपस्थित होंगे। इस बैठक में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 200 वैज्ञानिक भाग लेंगे और ज्वार फसल के विभिन्न पहलुओं जैसे हरा चारे का उत्पादन, गुणवत्ताशील बीज उत्पादन आदि पर अनुसंधान के लिए कार्य योजना तैयार करेंगे। बैठक में ज्वार पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए हकृवि के पूर्व वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के साथ ज्वार की उन्नत किस्मों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा।